अवनीश कुमार ने प्रदेश में किया टॉप, मिला तीसरा स्थान

10वीं के पांच छात्र प्रदेश के प्रवीण्य सूची में , 12वीं में फिसड्डी, जिले का 10वीं में 77 .76 व 12वीं में 77 .93 रहा परिणाम

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 15 अप्रैल। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आज बुधवार को कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड मुख्य परीक्षा परिणाम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषित किया। 10वीं की परीक्षा परिणाम में नन्दबिहार-नगवां में अध्ययनत छात्र अवनीश कुमार नाई ने 500 पूर्णांक में 497 अंक हासिल कर प्रदेश के प्रवीण्य सूची में तीसरा स्थान हासिल किया है। वहीं टॉप-10 में जगह बनाने वाले विद्यार्थियों में अविनाश कुमार नई ने 497 अंक प्राप्त कर प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है। वहीं दीप्ति पांडेय सातवें स्थान पर रहीं, जबकि नागेंद्र प्रजापति, कल्पना कुमारी बैस और खुशी कुशवाहा ने आठवां स्थान प्राप्त किया।

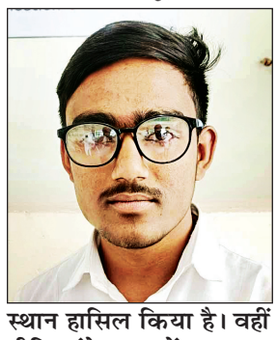

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा जारी कक्षा 10 वीं के परीक्षा परिणाम में जिले ने शानदार प्रदर्शन किया है। जिले के पांच छात्र-छात्राओं ने प्रदेश की टॉप-10 प्रवीण्य सूची में स्थान बनाकर जिले का नाम रोशन किया है। इस परीक्षा परिणाम में सरस्वती विद्यालय के छात्रों ने जिले का लाज बचाया है। वहीं 12वीं कक्षा में एक भी छात्र-छात्राएं प्रावीण्य सूची में अपनी जगह नही बना पाए। इधर कक्षा 10वीं के घोषित परीक्षा परिणाम में जिले के अवनीश नाई 497 अंक तीसरा स्थान नन्द विहार नंगवा, दीप्ति पाण्डेय 493 अंक सातवां स्थान बिलौंजी-बैढ़न, नागेन्द्र प्रजापति 492 अंक आठवां स्थान देवसर, खुशी कुशवाहा 492 अंक सरस्वती विंध्यनगर एवं कल्पना कुमारी अंक 492 शासकीय उत्कृष्ट उमावि बैढ़न प्रदेश में आठवां स्थान अर्जित कर विद्यालय एवं जिले नाम रोशन किया है। यहां बताते चले कि अवनीश कुमार नाई मूलत: नगवां गांव में सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र हैं और विद्यालय का संचालन महान एनर्जेन लिमिटेड के द्वारा किया जा रहा है। साथ ही अदाणी फाउंडेशन के द्वारा संचालित कोचिंग ने अवनीश को इस मुकाम तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया है।

खम्हारडीह स्कूल का 97.43 प्रतिशत रहा रिजल्ट:- शासकीय हाई स्कूल खम्हारडीह के परीक्षा परिणाम में प्रथम स्थान. प्रियंका मौर्या पिता रणजीत मौर्या 93.4, द्वितीय प्रिया जायसवाल पिता गोरानाथ जायसवाल 92.2, तृतीय सन्नू जायसवाल पिता मुन्नालाल जायसवाल 91.6, चतुर्थ अखिलेश सिंह पिता रमाशंकर सिंह 90.8 आया है, कुल दर्ज छात्र संख्या 39 में से उत्तीर्ण 38 कुल रिजल्ट 97.43 प्रतिशत प्रतिशत आया है।

पिता की गरीबी को देख अवनीश में आया टॉप करने का जुनून

अवनीश कुमार की सफलता खास इसलिए भी है, क्योंकि उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद यह मुकाम हासिल किया। उनके पिता गांव में छोटी फर्नीचर की दुकान चलाते हैं। अवनीश ने विस्थापित मकान में रहकर खुद खाना बनाते हुए 12 से 14 घंटे पढ़ाई कर यह सफलता पाई। अविनाश का कहना है कि शिक्षकों और परिवार के सहयोग से यह संभव हो पाया। आगे वह विज्ञान संकाय से पढ़ाई कर नीट परीक्षा की तैयारी करना चाहते हैं और डॉक्टर बनकर जिले के लोगों की सेवा करना चाहते हैं। स्कूल प्राचार्य ने छात्र को मेहनती और अनुशासित बताते हुए कहा कि वह हमेशा सीखने के लिए तत्पर रहता था और शिक्षकों का प्रिय छात्र था। इधर परिजनों ने भी छात्र की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद उन्होंने बेटे के सपनों को पूरा करने का निर्णय लिया।

खुशी सिंह ने बढ़ाया कुशाही विद्यालय में किया टॉप

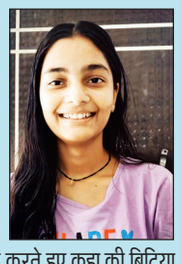

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा बोर्ड परीक्षा का परीक्षा परिणाम भोपाल से मुख्यमंत्री द्वारा जारी किया गया, जिसमें चितरंगी विकासखंड के हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में कुशाही स्कूल की छात्रा खुशी सिंह पिता देवनारायण सिंह बैस ने पूरे ब्लॉक में प्रथम स्थान अर्जित कर परिवार के साथ-साथ विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। इस बिटिया का 96 .60 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा है। बिटिया के पिता देव नारायण सिंह बैस एक अतिथि शिक्षक है, इस दौरान कुशाही विद्यालय के प्राचार्य अद्या प्रसाद पांडेय ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा की बिटिया लगन लगा के पढ़े, आने वाले समय में और अपना नाम उज्जवल करेगी।

...जब बोलेरो पर ट्रैक्टर चालक ने पलटा रेता

बड़ा हादसा टला, ईमानदार चितरंगी पुलिस सवालों के घेरे में

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 15 अप्रैल। जिले के करथुआ क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन को लेकर बीते दिन मंगलवार की सुबह घटी घटना ने चितरंगी पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब तक खुद को ईमानदार और सख्त कार्रवाई करने वाली पुलिस बताने वाले विभाग की भूमिका इस पूरे मामले में संदेह के घेरे में आ गई है। करथुआ नेशनल हाईवे बाईपास के समीप उस समय बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर का पीछा कर रही बोलेरो वाहन पर बालू पलट दी गई और कुछ चंद कदम आगे जाकर ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई।

जानकारी के अनुसार सहकार ग्लोबल कंपनी के स्टाफ को पिछले कई दिनों से सूचना मिल रही थी कि करथुआ क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध रेत का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि कई ट्रैक्टर और भारी वाहन रात के अंधेरे में खुलेआम रेत का परिवहन कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर कंपनी ने अपने मुखबिरों को सक्रिय किया। बीते मंगलवार की सुबह सूचना मिली कि दो ट्रैक्टर बाईपास मार्ग से रेता लेकर निकल रहे हैं। इसके बाद कंपनी के स्टाफ ने झोखो बैरियर के पुलिस स्टाफ के साथ मिलकर बोलेरो वाहन से पीछा शुरू किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पीछा किए जाने के दौरान एक ट्रैक्टर चालक ने जानबूझकर बोलेरो की ओर रेता पलट दी, जिससे कुछ रेत सीधे वाहन पर गिर गई। इस दौरान बोलेरो में सवार पुलिसकर्मी और कंपनी के कर्मचारी बाल-बाल बच गए। इसके बाद ट्रैक्टर चालक तेजी से आगे बढ़ाए, लेकिन कुछ ही चंद कदम दूर जाकर ट्रॉली सड़क किनारे पलट गई, जबकि दूसरा ट्रैक्टर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने चितरंगी पुलिस और डायल 112 वाहन चालक की भूमिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि करथुआ क्षेत्र में लंबे समय से रेत माफियाओं का आतंक बना हुआ है और यह कारोबार कथित रूप से पुलिस संरक्षण में फल-फूल रहा है। लोगों का आरोप है कि यदि पुलिस वास्तव में ईमानदारी से कार्रवाई करती तो इतनी बड़ी घटना सामने नहीं आती। इस हादसे ने पुलिस की साख पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि अवैध रेत कारोबार में कौन-कौन लोग शामिल हैं और किसके संरक्षण में यह नेटवर्क संचालित हो रहा है। अब लोगों की मांग है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। इधर आरोप लग रहा है कि चितरंगी पुलिस सोचीसमझी रणनीति के तहत रेत कारोबारी पर कार्रवाई नही की। जबकि करथुआ क्षेत्र से पिछले पखवाड़ा द्वारा रेत की चोरी करते एक ट्रैक्टर को पुलिस ने पकड़ कर कार्रवाई की थी। उस दौरान थाना प्रभारी वाहवाही लेने में कोई कोरकसर नही छोड़ा था और अब इस मामले में चितरंगी पुलिस की संदिग्ध भूमिका पर तरह-तरह के सवाल खड़े किये जा रहे हैं। थाना प्रभारी की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है।

चितरंगी टीआई ने वाहवाही लूटने का नहीं किया प्रयास

चितरंगी थाना प्रभारी अधिकांशत: गांजा, तमंचा को पकड़ने के लिए फिल्मो की तरह नजर आते हैं। यहां तक कि कभी-कभार रेता की चोरी करने वालों को भी इसी तरह पकड़ कर वाहवाही खूब लूटते हैं। लेकिन मंगलवार की सुबह करथुआ में रेतकारोबारी पर न कार्रवाई करने की साहस जुटा पाए और न ही यहां फिल्मी स्टाईल कार्रवाई भी नही दिखी। चर्चा है कि करथुआ क्षेत्र में रेत कारोबारियों को खुली छूट मिली हुई है। देवसर के मजौना-कारी खदान से बहरी में हाईवा वाहनों के माध्यम से रेत खपाया जा रहा है। चितरंगी, देवसर एवं बहरी पुलिस का संरक्षण मिला हुआ है। इस तरह का आरोप कई प्रबुद्धजनों के द्वारा लगाया जा रहा है और रात भर के बकायदे शुल्क निर्धारित है। वसूली के लिए एक आरक्षक की भी तैनाती की गई है। करथुआ में ज्वेलरी चोरी का खुलासा नही कर पाये, इसका कारण है कि रेत पर ध्यान है।

इनका कहना :-

करथुआ के झोखों बैरियर पुलिस के द्वारा कार्रवाई की जाकर खनिज विभाग को सौपा गया है। ऐसी जानकारी मिली है।

सुधेश तिवारी
थाना प्रभारी, चितरंगी

भारतीय प्रबंध संस्थान सम्बलपुर

द्वारा

नवसर्जनम्-शुचिता-समावेशत्वम्
IIM SAMBALPUR

चार वर्षीय स्नातक डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश की घोषणा

(दूसरा बैच अगस्त/सितंबर 2026 से प्रारंभ होगा)

डेटा साइन्स एवं एआई में विज्ञान स्नातक(बी.एस.)
Bachelor of Science (B.S.) in Data Science & AI

☑ आईआईटी जेईई मेन 2026 अंक और निजी साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश।

अवधि: पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम, 4 वर्ष (8 सेमेस्टर) की अवधि के साथ, जिसमें सहज प्रवेश-निकास विकल्प उपलब्ध हैं।

पात्रता मानदंड:
(क) अभ्यर्थी कक्षा 12वीं/एचएससी या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो या वर्तमान में कक्षा 12वीं/एचएससी या समकक्ष परीक्षा में उपस्थित हो रहा हो, जिसका परिणाम जून 2026 तक अपेक्षित हो।
(ख) सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए कक्षा 10वीं/ एसएससी और कक्षा 12वीं/एचएससी या समकक्ष परीक्षाओं में सभी विषयों में न्यूनतम 60% कुल अंक होना आवश्यक है।
(ग) अभ्यर्थी कक्षा 10वीं/ एसएससी और कक्षा 12वीं/ एचएससी या समकक्ष परीक्षाओं में अंग्रेज़ी भाषा और गणित विषय की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।
(घ) अभ्यर्थी के पास जेईई(मेन) 2026 का वैध अंक होना आवश्यक है।

मेरिट सूची की तैयारी:
अंतिम मेरिट सूची जेईई(मेन) 2026 के अंक और व्यक्तिगत साक्षात्कार में प्रदर्शन के आधार पर तैयार की जाएगी।

अधिक जानकारी और आवेदन समय-सारणी के लिए, कृपया www.iimsambalpur.ac.in को देखें या ऊपर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करें।

परिसर की मुख्य विशेषताएँ :
- भारतीय प्रबंध संस्थान संबलपुर पहला संस्थान है जिसने डीएसएआई ओर एमपीपी में बीएस. पाठ्यक्रम शुरु किया हैं।
- एनआईआरएफ मैनेजमेंट रैंकिंग 2025 में 34वां स्थान।
- हाई-स्पीड इंटरनेट के साथ तकनीक-सक्षम स्मार्ट कक्षा।
- ओडिशा में आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल परिसर सहित डिजिटल बुनियादी ढांचा और वातनुकूलित छात्रावास कक्ष सुविधा।
- आर्टिफिशल इन्टेलिजन्स् (एआई)-सक्षम कक्षा में शिक्षण ।

पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ:
1. पाठ्यक्रम नवीनतम उद्योग प्रवृत्तियों और शैक्षणिक अनुसंधान के अग्रिम क्षेत्रों के अनुरूप है।
2. केस अध्ययन-आधारित शिक्षण, जो वास्तविक उद्योग की समस्याओं और व्यावहारिक सीख के माध्यम से सिद्धांत और अभ्यास के बीच संबंध स्थापित करता है।
3. वास्तविक दुनिया का अनुभव लाइव परियोजना, इंटर्नशिप और उद्योग सहयोग के माध्यम से।
4. अंतिम वर्ष का शोध प्रबंध, जो एआई और डेटा-संचालित दृष्टिकोण का उपयोग करके वास्तविक दुनिया की समस्याओं को समाधान करने पर केंद्रित है।
5. उद्योग-केंद्रित मॉड्यूल, जिन्हें अग्रणी तकनीकी कंपनियों और एआई विशेषज्ञों के साथ मिलकर डिज़ाइन किया गया है।
6. एनईपी 2020 के अनुरूप कई निकासी विकल्प: प्रमाणपत्र (पहला वर्ष), डिप्लोमा (दुसरा वर्ष), डिग्री (तीसरा वर्ष), ऑनर्स (चौथा वर्ष)।
7. अंतर-विषयक और कौशल-आधारित शिक्षा का समर्थन करने के लिए कोर्सरा तक एकीकृत पहुंच ।

प्रबंध एवं पब्लिक पॉलिसी में विज्ञान स्नातक (बी.एस.)
Bachelor of Science (B.S.) in Management & Public Policy

☑ प्रवेश आईपीएमएटी 2026 अंक और व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से।

अवधि: पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम, 4 वर्ष (8 सेमेस्टर) की अवधि के साथ, जिसमें सहज प्रवेश-निकास विकल्प उपलब्ध हैं।

पात्रता मानदंड:
(क) अभ्यर्थी कक्षा 12वीं/एचएससी या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो, या वर्तमान में कक्षा 12वीं/एचएससी या समकक्ष परीक्षा में उपस्थित हो रहा, जिसका परिणाम जून 2026 तक अपेक्षित हो।
(ख) सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए कक्षा 10वीं/ एसएससी और कक्षा 12वीं/एचएससी या समकक्ष परीक्षाओं में न्यून तम 60% अंक होना आवश्यक है।
(ग) अभ्यर्थी कक्षा 10वीं/एसएससी और कक्षा 12वीं/एचएससी या समकक्ष परीक्षाओं में अंग्रेज़ी भाषा की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।
(घ) अभ्यर्थी के पास आईआईएम इंदौर द्वारा आयोजित इंटिग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट एप्टिट्युड टेस्ट (आईपीएमएटी) परीक्षा 2026 का वैध अंक होना आवश्यक है।

मेरिट सूची की तैयारी:
अंतिम मेरिट सूची आईपीएमएटी 2026 के अंक और व्यक्तिगत साक्षात्कार में प्रदर्शन के आधार पर तैयार की जाएगी।

अधिक जानकारी और आवेदन समय-सारणी के लिए, कृपया www.iimsambalpur.ac.in को देखें या ऊपर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करें।

पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ:
1. पाठ्यक्रम में विपणन, अर्थशास्त्र, वित्त, संचालन और विश्लेषण शामिल हैं, साथ ही स्थिरता और नीति में मजबूत आधार प्रदान किया गया है।
2. 170 क्रेडिट का पाठ्यक्रम, जिसमें अंतिम वर्ष में कैपस्टोन परियोजना और शोध कौशल विकास के साथ शोध प्रबंध शामिल है।
3. व्यक्तिगत कौशल विकास, जिसमें कार्यशालाओं के माध्यम से महत्वपूर्ण सोच, अभिकल्प, सिमुलेशन और निजी ब्रांडिंग पर प्रशिक्षण शामिल है।
4. क्षेत्रीय इमर्शन और कॉर्पोरेट, एनजीओ, सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं और सरकारी संस्थानों के साथ सहभागिता के माध्यम से वास्तविक दुनिया का अनुभव।
5. एनईपी 2020 के अनुरूप कई निकासी विकल्प: प्रमाणपत्र (पहला वर्ष), डिप्लोमा (दुसरा वर्ष), डिग्री (तीसरा वर्ष), ऑनर्स (चौथा वर्ष)।
6. अंतर-विषयक और कौशल-आधारित शिक्षा का समर्थन करने के लिए कोर्सरा तक एकीकृत पहुंच ।

अतिरिक्त सूचना:
- आयु सीमा - प्रवेश के लिए अधिकतम आयु 31 जुलाई, 2026 तक 20 वर्ष है।
- ध्यान दें - अंक, आयु में छूट और आरक्षित वर्ग के लिए सीट आरक्षण भारत सरकार के नियमों के अनुसार होगा।

महत्वपूर्ण तिथि:
- आवेदन प्रारंभ : दिनांक 15 अप्रैल, 2026
- आवेदन की अंतिम तिथि : दिनांक 31 मई, 2026
- व्यक्तिगत साक्षातकार : दिनांक 10 जून - 30 जून, 2026 (संभावित)
- परिणामों की घोषणा/ऑफर जारी : जूलाई, 2026 (संभावित)
- कार्यक्रम का प्रारंभ : अगस्त, 2026 (संभावित)

भारतीय प्रबंध संस्थान संबलपुर, बसंतपुर, संबलपुर (ओड़िशा)
संपर्क संख्या- 9078546024 / 7205726111, ईमेल आईडी- bs.admission@iimsambalpur.ac.in